उपनिषदों का परिचय

डॉ0 कुमारी श्वेता

उपनिषद् हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ है। ये वैदिक वाङ्मय के अभिन्न अंग है। वैदिकय वाङ्मय का अन्तिम भाग होने के कारण उपनिषदों को बेदान्त भी कहते है। इसमें परमेश्वर, परमात्मा–ब्रह्म और आत्मा के स्वभाव अथवा संबंध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञानपूर्वक वर्णन किया गया है।

संस्कृत साहित्य में उपनिषद ग्रन्थों का स्थान बहुत ऊँचा है। यहाँ तक कि वेदों के शिरोभाग के नाम से उपनिषदों का परिचय दिया गया है, और अध्यात्म ज्ञान के लिए उपरनिषद ग्रन्थ ही एकमात्र साधन है। वेदान्तसूत्र और श्रीमद् भागवद् गीता आदि समस्त गीतायें उपनिषदों के ही ज्ञानरत्नों से परिपूर्ण है।